दैनिक भास्कर

14-Dec-2019
गुमला सिमडेगा Page 2

दैनिक भास्कर

गुमला . सिसई . पालकोट . घाघरा . डुमरी

कार्यक्रम • महिला विकास मंडल से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं सब्जी और फल का करेंगी उत्पादन, बोरा बांध से होगी सिंचाई

42 गांवों में बोरा बांध बनाकर महिलाओं को किया जाएगा व्यवसायिक खेती के लिए प्रेरित

भास्कर न्यूज | घाघरा

घाघरा प्रखंड में विकास कार्य पर आत्मनिर्भरता और उपलब्ध प्राकृतिक जल संसाधनों के अधिकतम उपयोग को लेकर महिला विकास मंडल द्वारा घाघरा प्रखंड के 42 जल स्रोतों पर बोरा बांध बनाकर व्यवसायिक खेती की योजना बनाई है। इस संबंध में महिला विकास मंडल से जुड़ी ग्रामीण महिला कलावती देवी, दुलारी देवी, सरोज कुमारी समेत अन्य ने बताया कि महिला विकास मंडल घाघरा द्वारा प्रखंड के 42 गांव में प्राकृतिक जल स्रोतों पर बोरा बांध बनाकर महिलाओं को व्यवसायिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता सुभजीत घोष, जीतेंद्र कुमार, विपिन, अभय, बिट्टू, राजू, सुकरू, देवगन द्वारा महिला विकास मंडल के ग्रामीण महिलाओं को समुचित परामर्श के साथ उच्च कोटि के अभिप्रमाणित बीज, मिट्टी अनुरूप जैविक खाद के प्रयोग समेत कई प्रकार के सुझाव दिए जा रहे हैं।

बोरा बांध बनाने में जुटी महिलाएं।

महिला विकास मंडल से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं आरंगी बेल्हा टोली, बूरजू, शिवराजपुर, चेचेपाठ, टोटाम्बी, गुनिया, तिलसिरि कुंदो, सरजामा, महूगांव, इचा, ह्यलमाटी बुरहु समेत 42 गांव में तरबूज, खीरा, ककड़ी के साथ-साथ सब्जी व फल का उत्पादन बोरा बांध के सहारे करेंगी।

जिससे महिलाओं को आर्थिक समृद्धि के साथ स्वरोजगार के क्षेत्र में भी बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं ने बताया कि बोरा बांध गांव के प्राकृतिक जल स्रोतों पर बनाकर खेतों को सिंचित करने का एक बेहतर तकनीक है। जो कम लागत में किसानों के लिए लाभप्रद योजना साबित हो रही है। जिससे ग्रीष्मकालीन फसल उत्पादन के दौरान सिंचाई की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। वहीं इसे जल संचयन संरचना के रूप में भी देखा जाता है।

15-15 एकड़ में उगाएंगी तरबूज, खीरा और ककड़ी

चेचेपाठ और तिलसिरी में बोरा बांध के सहारे महिलाएं लगभग 15-15 एकड़ में व्यवसायिक फल और सब्जी का उत्पादन खेतों को सिंचित कर करेंगी। जिससे महिलाओं को 30 से 40 हजार रुपए का औसत लाभ प्राप्त होगा। महिलाओं ने बताया कि प्राकृतिक जलस्रोतों जो पहले अप्रयुक्त थे जिसे महिलाएं गांवों में बोरा बांध बनाकर उनकी ग्रीष्मकालीन फसलों की योजना बनाने लगी है। इस वर्ष घाघरा प्रखंड के विभिन्न गांव में 42 बोरा बांध प्राकृतिक जलस्रोत पर बनाने की योजना है। घाघरा में महिला मंडल की टीम इन बोरा बांधों से अपने खेतों में तरबूज, खीरा, ककड़ी समेत अंतरवर्ती खेती में खेतों को सिंचित करने के लिए इन संरचनाओं का उपयोग करने की सामुदायिक योजना जारी की है।